

कैसी लीला रचाई जी के हनुमत बालाजी भजन लिरिक्स



कैसी लीला रचाई जी,
के हनुमत बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी **lbd**।

खेल करत अंबर में निकल गए,
समझ के फल तुम सूरज निगल गये,
करी देवो ने विनती जी,
के बजरंग बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी **lbd**।

दसकंधर किया हरण सिया का,
लंका में जा पता किया था,
तुमने लंका जलाई जी,
के बजरंग बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी **lbd**।

लंका जला शांत की ज्वाला,
मछली पेट गर्भ तुम डाला,
की सूत से लड़ाई जी,
के बजरंग बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी **lbd**।

शक्तिबाण लग्यो लक्ष्मण के,
संकट मे थे प्राण लखन के,
करी तुरत सहाई जी,
के बजरंग बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी **lbd**।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



अहिरावण ने की चतुराई,
राम लखन दोउ लिए चुराई,
ली बंद छुड़ाई जी,
के बजरंग बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी IbdI

‘गीता’ भी है तेरी सेवक,
मेरी नैया के तुम केवट,
दो पार लगाई जी,
के बजरंग बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी IbdI

कैसी लीला रचाई जी,
के हनुमत बालाजी,
कैसी लीला रचायी जी,
के बजरंग बालाजी IbdI

Singer – Geeta Singh
Upload – Chotu Kushwaha
7828149894
